Re-Accredited by NAAC with 'A' Grade
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Fax : +91 - 261 - 2227312
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

-: પરિપત્ર :-

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષય ચલાવતી સ્નાતક કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૧–૨૨ થી અમલમાં આવનાર હિન્દી વિષયની અભ્યાસસમિતિની તા.૨૮/૦૧/૨૦૨૦ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૩ અન્વયે નિમેલ પેટાસમિતિએ તા.૨૫/૦૨/૨૦૨૦ ની સભામાં તૈયાર કરેલ નીચે મુજબનાં અભ્યાસક્રમ મંજૂર કરવામાં આવ્યા હતા. જે હવે બોર્ડનાં ચેરમેનશ્રીએ તા.૦૩/૦૬/૨૦૨૧ નાં રોજ ઈ–મેલથી પત્ર ધ્વારા જણાવેલ છે કે **એસ.વાય.બી.એ. સેમ.૩,અને ૪,તથા ટી.વાય.બી.એ. સેમે.–૫, અને ૬ માટેના અભ્યાસક્રમ ચેરમેનશ્રીએ અભ્યાસસમિતિવતી મંજૂર કરી શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૧–૨૨ થી અમલમાં આવે તે રીતે મંજૂર કરવા વિનયન વિદ્યાશાખાને ભલામણ કરવામાં આવેલ છે.** જે વિનયન વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ વિનયન વિદ્યાશાખાવતી વિદ્યાશાખાનાં અધ્યક્ષશ્રીએ મંજૂર કરી એકેડેમિક કાઉન્સિલને કરેલ ભલામણ એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૧૨/૦૬/૨૦૨૧ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૮ અન્વયે સ્વીકારી મંજૂર કરેલ છે. તેની સંબધકર્તા શિક્ષકોને અને વિદ્યાર્થીઓને કરવી. તદઉપરાંત તનો અમલ કરવો.

હિન્દી વિષયની અભ્યાસસમિતિની તા.૨૮/૦૧/૨૦૨૦ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૩ અન્વયે નિમેલ પેટાસમિતિની તા.૨૫/૦૨/૨૦૨૦ ની સભનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૧

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, એફ.વાય.બી.એ.હિન્દી ભાષ–કૌશલ (સેમે.–૧ અને ૨) અને રેગ્યુલર સેમે.–૧ અને ૨. એસ.વાય.બી.એ.હિન્દી ભાષા–કૌશલ (સેમે.–૩ અને ૪) અને રેગ્યુલર સેમે.–૩ અને ૪, ટી.વાય.બી.એ. હિન્દી ભાષા–કૌશલ(સેમે.–૫ અને ૬) અને મુખ્ય (રેગ્યુલર) સેમે.–૫ અને ના અભ્યાસક્રમો સર્વાનુમતે તૈયાર કરવામાં આવ્યા હતા. તે મંજૂર કરવા વિનયન વિદ્યાશાખાને ભલામણ કરવામાં આવે છે.

એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૧૨/૦૬/૨૦૨૧ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૮

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, હિન્દી વિષયની અભ્યાસસમિતિના અધ્યક્ષશ્રીએ અભ્યાસસમિતિવતી અને વિનયન વિદ્યાશાખાના અધ્યક્ષશ્રીએ વિનયન વિદ્યાશાખાવતી સ્વીકારેલ શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૧–૨૨ થી અમલમાં આવનાર એસ.વાય.બી.એ. સેમ.–૩ અને ૪ તથા ટી.વાય.બી.એ. સેમ.–૫ અને ૬ માટેના અભ્યાસક્રમ મંજૂર કરવામાં આવે છે.

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ)

ક્રમાંક : એકે./પરિપત્ર/ ૭૯૪૦/૨૦૨૧
તા. ૧૫–૦૬–૨૦૨૧

15.6.2021

ઈ.ચા. કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧)વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષય ચલાવતી સ્નાતક કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
૨)અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩)પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.

.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારૂ.

परिशिष्ट-1

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-3

(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 3. हिंदी भाषा-कौशल (अनिवार्य)

Foundation Course-03 (Total Marks – 50; Credits o3)

पाठ्य पुस्तक : 1. 'गंगा मैया' – भैरवप्रसाद गुप्त राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. कम्प्यूटर एवम् व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्व और कृतित्व, उपन्यास विधा का परिचय, 'गंगा मैया' उपन्यास की कथावस्तु ,'गंगा मैया' उपन्यास की भाषा-शैली, 'गंगा मैया' उपन्यास में संवाद-योजना।

इकाई - 2. 'गंगा मैया' उपन्यास के मुख्य पात्र एवं गौण पात्र, 'गंगा मैया' उपन्यास में देश काल और वातावरण, 'गंगा मैया' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता, 'गंगा मैया' उपन्यास का उद्देश्य।

इकाई - 3. हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस
राजभाषा हिंदी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
ई-गवर्नेंस, इंटरनेट
हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग
सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएँ।

इकाई - 4. शब्द-भेद : सामान्य परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन का सामान्य परिचय।

अंक-विभाजन –

प्रश्न 1. इकाई 3 और 4 से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ.रामदरश मिश्र, (गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा)
3. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-डॉ.रामदरश मिश्र-विवेकी राय
4. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा-सिद्धांत-पी.के. शर्मा
5. मीडियाः भूमंडलीकरण और समाज- संपा.संजय द्विवेदी
6. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद- संपा.संजय द्विवेदी

Date: 03/06/2021

7. नए जमाने की पत्रकारिता- सौरभ शुक्ल

8. हिंदी व्याकरण - डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
9. अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
10. अनुवाद-विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी
11. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी सेमेस्टर-3

(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 5. छायावादी कविता (मुख्य और गौण)

(Core Co. 05 - Elective Co. - 05) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्य पुस्तक : छायावादी काव्य वैभव-संपा.डॉ.बी.के.कलासवा
(शांति प्रकाशन, अहमदाबाद)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र : (निम्नलिखित कवियों की कविताओं का अध्ययन) ।

इकाई – 1. छायावाद का सामान्य परिचय।
सूर्यकांत त्रिपाठी-जागो फिर एक बार, वह तोड़ती पत्थर, जुही की कली, संध्या सुंदरी।

इकाई – 2. सुमित्रानंदन पंत-प्रथम रश्मि, भारत माता, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, बापू के प्रति।

इकाई – 3. जयशंकर प्रसाद- बीती विभावरी, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, भारतदेश, मेरे नाविक।

इकाई – 4. महादेवी वर्मा-मैं नीर भरी दुःख की बदली, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल,बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी,मैं बनी मधुमास आली।

अंक-विभाजन – प्रश्न 1. पठित कविताओं से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) पठित कविताओं से ससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

Date: 03/06/2021

3. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1-2 – डॉ. गणपति चन्द्र सिंह

प्रश्नपत्र – 6. A. हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण)

(Core Course. 06 - Elective Course. - 06) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्य पुस्तक : झूलानट-मैत्रेयी पुष्पा (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. मैत्रेयी पुष्पा का साहित्यिक परिचय
'झूलानट' में चित्रित समस्याएँ
'झूलानट' उपन्यास के कथानक का मूल्यांकन।

इकाई – 2. 'झूलानट' उपन्यास के मुख्य पात्रों-बालकिशन, शीलो,अम्मा का चरित्र –चित्रण।

इकाई – 3. 'झूलानट' उपन्यास के गौण पात्र-सुमेर,कांता आदि।
'झूलानट' उपन्यास में संवाद, 'झूलानट' उपन्यास में वातावरण-योजना।

इकाई – 4. 'झूलानट' उपन्यास की भाषा-शैली, 'झूलानट' उपन्यास का उद्देश्य,
'झूलानट': शीर्षक की सार्थकता।

अंक-विभाजन – प्रश्न 1 पठित उपन्यास से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) पठित उपन्यास से ससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. मैत्रेयी पुष्पा और उनका झूलानट-डॉ.उत्तम पटेल(शांति प्रकाशन,अहमदाबाद)
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास – डॉ. सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

Date: 03/06/2021

अथवा

प्रश्नपत्र – 6. B. हिंदी उपन्यास (गौण)

(Core Course. 06 - Elective Course. - 06) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्य पुस्तक : दिग्विजय-गुरुदत्त (हिंदी साहित्य सदन, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. गुरुदत्त का साहित्यिक परिचय
'दिग्विजय' स्वामी शंकराचार्य के काल की पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यासम
'दिग्विजय' उपन्यास के कथानक का मूल्यांकन।

इकाई – 2. 'दिग्विजय' उपन्यास के मुख्य पात्रों-स्वामी शंकराचार्य,विरोचन, रुक्मिणी, नीलमणि का चरित्र -चित्रण।

इकाई – 3. 'दिग्विजय' उपन्यास के गौण पात्र।
'दिग्विजय' उपन्यास के संवाद, 'दिग्विजय' उपन्यास में वातावरण-योजना।

इकाई – 4. 'दिग्विजय' उपन्यास की भाषा-शैली, 'दिग्विजय' उपन्यास का उद्देश्य,
'दिग्विजय': शीर्षक की सार्थकता।

अंक-विभाजन - प्रश्न 1 पठित उपन्यास से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) पठित उपन्यास से ससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिंदी के चर्चित उपन्यासकार-भगवतीशरण मिश्र(राजपाल एण्ड सन्ज़,दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. गुरुदत्त की सांस्कृतिक मान्यताएँ -डॉ.मधु वसावा (अमर प्रकाशन, मथुरा)
10. उपन्यासकार गुरुदत्तः एक अनुशीलन-डॉ.अशोक शाह (जवाहर प्रकाशन, मथुरा)

Date: 03/06/2021

प्रश्नपत्र – 7. हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य)

Core Course-07 (Total Marks – 50; Credits 03)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

इकाई – 1. साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण।
आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। आदिकालीन परिस्थितियाँ।

इकाई – 2. भक्तिकाल की मुख्य प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल की मुख्य - धाराएँ।
पद्मावत, रामचरित मानस तथा सूरसागर का परिचय।

इकाई – 3. रीति काल : शब्द, नामकरण, रीति बद्ध, रीति मुक्त, रीति सिद्ध- धाराओं का सामान्य परिचय, रीति काल की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – 4. केशवदास, देव, बिहारी, घनानंद, आलम तथा भूषण का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1.हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेर्य
3.हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.हिंदी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
5.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
6.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
7.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
8.आदिकाल की भूमिका-पुरुषोत्तम प्रसाद
9.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

Date: 03/06/2021

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

सेमेस्टर – 4

हिंदी भाषा-कौशल

(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 4 . हिंदी भाषा-कौशल – (अनिवार्य) Foundation Course-04

(Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : 1. कहानी एकादशी-संपा.डॉ.विजयलक्ष्मी (प्रगति संस्थान, दिल्ली-92)

2. कम्प्यूटर एवम् व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई -1. कहानी के तत्त्व एवम् प्रकार।

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी', पाजेब-जैनेन्द्र कुमार ,

पूस की रात- प्रेमचंद - कहानियों का अध्ययन।

इकाई – 2. गुण्डा- जयशंकर प्रसाद , परदा-यशपाल

अमृतसर आ गया है.. –भीष्म साहनी- कहानियों का अध्ययन।

इकाई – 3 हिंदी भाषा और कम्प्यूटर विविध पक्ष

इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ

एसएमएस की हिंदी, न्यू मीडिया और हिंदी भाषा,हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड।

इकाई – 4 उपसर्ग, प्रत्यय, विशेषण तथा कालों का सामान्य परिचय। भूल-सुधार ।

अंक-विभाजन - प्रश्न 1. इकाई 3 और 4 से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1. कहानीःस्वरूप और संवेदना-राजेन्द्र यादव
2. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र
3. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा-सिद्धांत-पी.के. शर्मा
4. मीडियाः भूमंडलीकरण और समाज- संपा.संजय द्विवेदी
5. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद- संपा.संजय द्विवेदी
6. हिंदी व्याकरण - डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
7. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेव नंदन प्रसाद

Date: 03/06/2021

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी **सेमेस्टर – 4**

(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 8. हिंदी काव्य (मुख्य और गौण)

(Core Co. 08 - Elective Co. - 08) (Total Marks – 50; Credits 03)

प्रश्नपत्र – 8. A. हिंदी काव्य – (मुख्य और गौण) (Core Co. 08 - Elective Co. - 08)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : भस्मांकुर – नागार्जुन (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. नागार्जुन का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खण्डकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण,'भस्मांकुर' की कथावस्तु।

इकाई – 2. 'भस्मांकुर' के पात्र : कामदेव, रति का चरित्र चित्रण , 'भस्मांकुर' में पौराणिक प्रसंग – वर्णन। 'भस्मांकुर' में मौलिकता एवं आधुनिकता ।

इकाई – 3. 'भस्मांकुर' में संवाद - योजना, 'भस्मांकुर' में देशकाल का चित्रण, 'भस्मांकुर': शीर्षक की सार्थकता।।

इकाई – 4. 'भस्मांकुर' काव्य का उद्देश्य , 'भस्मांकुर' का कला-पक्ष,'भस्मांकुर' में वर्णित रस ।

अंक विभाजन :

प्रश्न 1. पठित काव्य से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) पठित कविताओं से ससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन - संपा. डॉ. यश गुलाटी
2. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
3. हिंदी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – डॉ. नूरजहाँ बेगम
4. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य– डॉ. कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन,अहमदाबाद)
5. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
6. नयी कविता की प्रबंध – चेतना – डॉ. महावीरसिंह चौहान
7. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवेदना के धरातल – संपा. डॉ. विनोद गोदरे
8. नई कविता के रूप – रेनू दीक्षित

Date: 03/06/2021

अथवा

प्रश्नपत्र – 8. B. हिंदी काव्य – (गौण) Elective Co. - 08) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्य पुस्तक- द्रौपदी-नरेन्द्र शर्मा

(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 नरेन्द्र शर्मा: व्यक्तित्व और कृतित्व

खण्डकाव्यः परिभाषा एवम् लक्षण, 'द्रौपदी' की कथावस्तु।

इकाई-2 'द्रौपदी' का काव्य-स्वरूप ,'द्रौपदी' के मुख्य पात्र,

'द्रौपदी': नारी नर की शक्ति के रूप में।

इकाई-3 'द्रौपदी' के गौण पात्र, 'द्रौपदी' में प्रतीकात्मकता, 'द्रौपदी' में आध्यात्मिकता।

इकाई-4 'द्रौपदी' शीर्षक की सार्थकता, 'द्रौपदी' काव्य का उद्देश्य।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. पठित काव्य से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) पठित कविताओं से ससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1.हिंदी के खंडकाव्यों में युग-बोध-डॉ.राज भारद्वाज

2.हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्यः उद्भव और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम

3.नव्य प्रबंध-काव्यों में आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा

4.नयी कविता की प्रबंध-चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान

5.आधुनिक प्रबंध-काव्यःसंवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे

6.हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन-संपा.डॉ.य़श गुलाटी

7.हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खण्डकाव्य-डॉ.कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद)

8.नरेन्द्र शर्मा का कवि कर्म –श्रवसुमी कुमारी, मेकमेक पब्लिशर्स

==========

Date: 03/06/2021

प्रश्नपत्र – 9. हिंदी नाटक : (मुख्य और गौण)

(Core Co. 09 - Elective Co. - 09) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद (राजपाल एन्ड सन्स, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व,'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक
'ध्रुवस्वामिनी' में नाटककार की कल्पना और इतिहास
समस्या नाटक के रूप में 'ध्रुवस्वामिनी' ।

इकाई – 2. 'ध्रुवस्वामिनी' के मुख्य पात्र- ध्रुवस्वामिनी, रामगुप्त एवम् चंद्रगुप्त।
गौण पात्र-शकराज, कोमा, मंदाकिनी की चारित्रिक विशेषताएँ ।

इकाई - 3 . 'ध्रुवस्वामिनी' के संवाद, 'ध्रुवस्वामिनी' में चित्रित नारी जागरण की चेतना ।
'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में देशकाल और वातावरण ।

इकाई – 4 'ध्रुवस्वामिनी' का उद्देश्य, 'ध्रुवस्वामिनी' के शीर्षक की सार्थकता,
'ध्रुवस्वामिनी' की भाषा-शैली, 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में अभिनेयता ।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित नाटक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) पठित नाटक से ससंदर्भ व्याख्या का एक प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1. रंगमंच और जयशंकर प्रसाद के नाटक-डॉ.रीतारानी पालीवाल (साहित्य निधि, दिल्ली)
2. हिंदी नाटक-डॉ.बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन-डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा (सरस्वती मंदिर, वाराणसी)
4. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
5. प्रसादः नाट्य और रंग शिल्प-डॉ.गोविन्द चातक (आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली)
6. जयशंकर प्रसाद-डॉ.रमेशचंद्र शाह (साहित्य अकादमी, दिल्ली)
7. प्रसाद के नाटक-डॉ.सिद्धनाथ कुमार (दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया, दिल्ली)
8. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक-जगदीश चंद्र जोशी, सरस्वती पुस्तक सदन,मोतीकटरा, आगरा
9. प्रसाद के नाटक-परमेश्वरी लाल गुप्त, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय
10. हिंदी नाटक EHD-01 हिंदी गद्य (इंदिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय)

==========

Date: 03/06/2021

प्रश्नपत्र – 10 . हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) (Core Course 10)

(Total Marks – 50; Credits 03)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ, द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ , छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ ।

इकाई - 2 . प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।
उपन्यास, नाटक, कहानी और समालोचना का उद्भव और विकास।

इकाई – 3. रामधारी सिंह 'दिनकर', मैथिलीशरण गुप्त, हरिवंश राय 'बच्चन', शिवमंगल सिंह 'सुमन' तथा अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय।

इकाई – 4 . जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथः

1.हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3.हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.हिंदी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
5.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
6.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
7.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
8.आदिकाल की भूमिका-पुरुषोत्तम प्रसाद
9.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

==========

Date: 03/06/2021